मधुमती

सम्पादक : डॉ. जयसिंह नीरज

SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 18: no 1, January 1979

TOC Supplied By: University of Chicago

जनवरी, 1979

राजस्थान साहित्य अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका • वर्ष 18, अंक 1

Madhumati
JAN. 79
Vol. 18, No. 1

मधुमती

वर्ष १८ : अंक १
जनवरी, १९७९ ई०

सम्पादक : डॉ. जयसिंह नीरज
प्रबन्ध सम्पादक : डॉ. राजेन्द्र शर्मा

अनुक्रम

सम्पादकीय ३

कविताएँ

तीसरी आजादी — भागीरथ भार्गव ५
कभी-कभी — ,, ,, ८
दर्द — श्यामसुन्दर घोष ९
तीन कविताएँ — कमर मेवाड़ी १०
षड्यंत्र — अब्दुल बिस्मिल्लाह १२
बूँद से समुद्र — दयाकृष्ण विजय १४
अंधेरे चक्रव्यूह — जीवनसिंह मानवी १५
लक्ष द्वीपों के सहारे — नमोनाथ अवस्थी १७

लेख

नया साहित्य : नयी संवेदनाएँ — जोगेन्द्रसिंह वर्मा १९
दावा कहानी की मुक्ति का बनाम तीसरा पक्षधर — केवल गोस्वामी २६

कहानी

हड़ताल — विनोद मेहरा ३०
लौटा हुआ कल — योगेशचन्द्र शर्मा ३७
कवच (गुजराती कहानी) — मू० ले० चन्द्रकान्त बारोट, अनु० कन्हैयालाल भाटी ४२

PK2103 .R3M18 v.18 1979

गीत

पेड़ अब भी आदिवासी हैं — सूर्यभानु गुप्त — ४७
पेड़ हर आदमी में होते हैं — ,, ,,
गीत — देवेन्द्रकुमार आर्य — ४९
चुप मत रह — कृष्णा बक्षी — ५०
गीत — कुमार शिव — ५१
उकड़ू बैठा गाँव — कुन्दनसिंह सजल — ५२
बस्ती में सन्नाटा — अश्वघोष — ५३
रघू मजदूर — ,,
गीत — शिवचरण योगी — ५५

बीते कल की याद

डॉ० कन्हैयालाल सहल का काव्य व्यक्तित्व — जुगमन्दिर तायल — ५६
स्वतन्त्र पत्रकारिता की कहानी
पं० बनारसीदास चतुर्वेदी की जबानी — गौरीशंकर गुप्त — ६२
ये पत्रिकाएं — जयसिंह नीरज — ६६

84-500735/5

पुस्तक समीक्षा

त्रिकाल संध्या — डॉ० रमासिंह — ७०
राख और हीरे — राजमल बोरा — ७२
नीला अम्बर : काले बादल — ,, ,, — ७४
भारतीय संविधान में प्रधानमंत्री की भूमिका — जीवन मेहता — ७५
पत्र प्रतिक्रिया — ७८
सांस्थानिक गतिविधियाँ — ८२

The University of Chicago Library

PL 480

एक प्रति का मूल्य : 1–50
वार्षिक शुल्क : 15–00

आवरण कथा– शिवशक्ति नामक यह चित्र राजस्थान के प्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ कलाकार ज्योतिस्वरूप का है। आधुनिक चित्रकारों में ज्योतिस्वरूप प्रयोगधर्मी कलाकार हैं। 'इनर जंगल' सीरीज में बनाए हुए उनके चित्र अखिल भारतीय स्तर पर सराहे गये हैं। स्वच्छंद कलाधर्मी श्री ज्योतिस्वरूप अकादमी से पुरस्कृत हो चुके हैं। संप्रति वे फ्रीलांसिग कलाकार के रूप में कृतियाँ रचने में संलग्न हैं।